पाठ 8. स्वतंत्रता का दीपक

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। गोपालसिंह 'नेपाली' द्वारा लिखित यह कविता हमें स्वतंत्रता की भावना को मन में सुरक्षित रखने, और पराधीनता से लड़ने की प्रेरणा देती है।

पाठ का सार

आँधी-तूफ़ानों से जूझता हुआ स्वतंत्रता रूपी दीपक कभी बुझने न पाए, इसके लिए कवि ने जनता को उसके कर्तव्यों की याद दिलाई है। भारतमाता ने गुलामी में सैकड़ों बरस दुख-दर्द झेले हैं अतः प्रत्येक भारतवासी को स्वतंत्रता के मूल्य का अहसास हमेशा होना चाहिए। इस स्वतंत्रता को पाने के लिए देशभक्तों ने बड़ी-बड़ी कुर्बानियाँ दी हैं। यह दीपक, जीवन को प्रकाशित करने वाला है। यह अँधेरी रातों से मुक्ति दिलाने वाला सवेरा है। इसके पीछे देशभक्ति की पवित्र भावना बसी हुई है। इस दीपक में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे के बीज हैं। इस दीपक की साँसों पर संकट तो बहुत हैं, लेकिन कभी न बुझने के संकल्प के सहारे ही इसकी शक्ति बची हुई है। हम सबका कर्तव्य है कि स्वतंत्रता रूपी इस दीपक के प्रकाश में हम अपने संकल्पों का प्रकाश भी शामिल करें।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का सस्वर वाचन करवाएँ। शब्दों के अर्थ प्रसंगवश एक-एक कर बच्चों को सामूहिक रूप से सुलभ कराएँ। कविता की व्याख्या करते हुए कुछ उदाहरण अपनी ओर से जोड़े जा सकते हैं।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - विशेषण और विशेष्य की परिभाषा बताएँ। विशेष्य की विशेषता बताने वाले शब्द समूहों की पहचान कराएँ और बताएँ कि ये शब्द समूह ही विशेषण पदबंध कहलाते हैं।
  - उपसर्ग मूल शब्द के प्रारंभ में लगता है जबकि प्रत्यय मूल शब्द के अंत में। उपसर्गों/प्रत्ययों से अन्य शब्दों के उदाहरण दें। उपसर्ग/प्रत्यय लगे शब्दों व उनके मूल शब्दों का वाक्य-प्रयोग करवाकर दोनों में अंतर समझाया जा सकता है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - किन-किन परिस्थितियों में 'पापी पेट का सवाल' मुख्य हो जाता है और किन-किन परिस्थितियों में स्वतंत्रता की चाहत मुख्य होती है, इन बिंदुओं पर वाद-विवाद केंद्रित हो, यह सुनिश्चित करें। वाद-विवाद के उपरांत मुख्य बिंदुओं से संबंधित तालिका बनवाकर परिचर्चा भी की जा सकती है।
  - भारत जगद्गुरु था और भविष्य में विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली देश बने, यही इस भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य है। बच्चे जब खुलकर अपने विचार रखेंगे तो उनकी कल्पनाशीलता का परिचय मिलेगा। प्रतियोगिता के अंत में, 'कथनी और करनी' में समरूपता हो, इसके लिए उन्हें उत्प्रेरित करें।